

संक्षिप्त समाचार

खदान पर निगरानी करने जा रहे मजदूर को पोकलेन ने मारा धक्का मौत ग्रामीणों ने किया हंगामा मामला मुवावजे के बाद सुलह मे बदला

रिपोर्टर अनुप कुमार, अहरौरा। थाना क्षेत्र के मगन दीवाना पहाड़ी के समीप पत्थर खदान में मुंशी काम करने वाला युवक जय हिंद यादव उर्फ गोल्डू की पोकलेन के धक्के से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जय हिंद यादव उर्फ गोल्डू पुत्र मुन्ना उम्र 30वर्ष निवासी मुबारकपुर चकिया जनपद चंदौली का मूल निवासी था। ग्रामीणों के अनुसार श्याम सिंह के खदान में मुंशी का कार्य करता था आज प्रातः खदान में बाइक से आ रहा था वही बगल से गुजर रहे पोकलेन से धक्का लगने से उसकी मौत हो गई जिस पर खदान संचालक के कर्मचारियों द्वारा उसके लाश को परिवजनों को बिना बताए दवा इलाज के लिए कहीं ले जा रहे थे जिस पर परिजन एवं ग्रामीण हंगामा करने लगे एवं मौके पर ही खदान संचालक को बुलाने की मांग करने लगे। हंगामा की सूचना पर एसडीएम चुनार क्षेत्रधिकारी चुनार समेत तीन थाने की फोर्स मौके पर पहुंचकर परिवजनों को समझाने बुझाने के साथ भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे। खबर लिखे जाने तक खदान संचालक के प्रतिनिधि एवं मृतक के परिवजनों से मुआवजे की लेकर बातचीत जारी थी। प्रभारी निरीक्षक सदानंद सिंह ने बताया कि घटना कि जानकारी प्राप्त हुई है घटना के बाद ग्रामीणों को समझाने बुझाने कर शान्त कराया गया मुवावजे के रूप मे खदान संचालक के तरफ से 25 लाख मृतक की पत्नी के खाते मे डाल दिया गया है शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है शांति व्यवस्था कायम है। घटना की जानकारी प्राप्त होते ही घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने बताया कि खदान संचालक द्वारा उक्त खदान को जहां मृतक की पोकलेन की चपेट में आने से मौत हुई है उक्त खदान को खदान संचालक ने सोनभद्र के ओबरा निवासी को पेटी पर कार्य करने हेतु 6माह पूर्व दिया था और जिस मजदूर की मौत हुई है वह भी उक्त संचालक के अधीन कार्य करता था तहरीर के आधार पर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अधिवक्ताओं ने किया पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन



गौरव केशरी, मिर्जापुर। कटरा कोतवाल से न्याय न मिलने के बाद अधिवक्ताओं ने किया पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन दो दिन पूर्व हुई थी अधिवक्ता से छीनेती, कटरा पुलिस कर रही थी सुलह समझौते की बात थाने में भी दबंग दिष्ट थे अधिवक्ता को धमकी जिसके बाद भी कटरा पुलिस मेहरबान है आरोपी पर जब पुलिस ही हो आरोपियों पर मेहरबान तो अपराध कैसे रहेगा।

प्रदेश स्तर पर सर्वोत्तम पुलिस मॉर्डन स्कूल चयन प्रतियोगिता

मिर्जापुर। पी०ए०सी० स्थापना दिवस-2025 के अवसर पर प्रदेश स्तर पर सर्वोत्तम पुलिस मॉर्डन स्कूल चयन हेतु नामित 39वीं वाहिनी पीएसी मिर्जापुर पुलिस मॉर्डन स्कूल का चयन प्रक्रिया मे नमित सम्मानित टीम के सदस्यों पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी, कानपुर अनुभाग कानपुर अतुल कुमार शर्मा अध्यक्ष एवं सेनानायक सचिन्द्र पटेल 44वीं वाहिनी पीएसी मेरठ, हरेंद्र प्रताप उपसेनानायक एसडीआरएफ लखनऊ, प्रधानाचार्य उमेश पाण्डेय पुलिस मॉर्डन स्कूल 26वीं वाहिनी गोरखपुर सदस्य द्वारा पुलिस मॉर्डन स्कूल का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर सेनानायक नैपाल सिंह, प्रधानाचार्या रवेता जायसवाल, शिविरपाल मसबुल हसन, दलनायक जय हिंद यादव , सुबेदार सैन्य सहायक मनोज कुमार सिंह , पुलिस मॉर्डन स्कूल के समस्त अध्यापक/अध्यापिकाएं एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी भी मौजूद रहे।



पटेरही स्टेशन यार्ड में संरक्षा विभाग एवं एन.डी.आर.एफ. टीम द्वारा फुल स्केल मॉकड्रील का संयुक्त अभ्यास किया गया

वाराणसी। वाराणसी मंडल की मंडलीय टीम एवं संरक्षा विभाग द्वारा एन.डी.आर.एफ. की 09 वीं बटालियन के साथ आज 27 नवम्बर,2025 को 13:00 बजे पटेरही स्टेशन यार्ड के लाइन संख्या 05 में फुल स्केल मॉकड्रील का संयुक्त अभ्यास किया गया । इस फुल स्केल मॉकड्रील में अपर मंडल रेल प्रबंधक (आप) श्री अशोक कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक श्री आर. जे. चौधरी, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री बलेन्द्र पाल,वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री अभिनव पाठक,वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री यशवीर सिंह, मंडल विद्युत इंजीनियर (आप) श्री नीतीश कुमार शुक्ला, मंडल विद्युत इंजीनियर (कोचिंग) श्री दीपक यादव,स्टेशन निदेशक (बनारस)श्री लवलेस राय, सहायक मंडल इंजीनियर छपरा श्री ए.के. राय, सहायक मंडल



सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री पी.एन मिश्रा कोचिंग डिप्टी अधिकारी छपरा श्री अशोक कुमार, कमाण्डेंट श्री रणधीर कुमार, समेत एन.डी.आर.एफ. की 09 वीं बटालियन के निरीक्षक सामान्य श्री चेतन बहादुर,आरक्षी सामान्य श्री रंजन कुमार ऋषि प्रकाश सहित संरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राहत और

संघर्ष का एक साल पूरा होने पर 30प्र0 के सभी जनपदों की भांति ही बनारस के हजारों बिजलकर्मियों ने आज भिखारीपुर स्थित प्रबन्ध निदेशक कार्यालय पर किया व्यापक विरोध प्रदर्शन

बिजली के निजीकरण और इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 के विरोध में उग्र के बिजली कर्मियों को मिला देशव्यापी समर्थन: देश भर में लाखों बिजली कर्मों सड़कों पर उतरे

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उ0प्र0 के बैनर तले बिजली के निजीकरण के विरुद्ध आज 365वें दिन यानी आंदोलन के एक वर्ष पूरे होने पर बनारस के हजारों बिजलकर्मियों ने संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक ई0शैलेन्द्र दुबे जी की अध्यक्षता में भिखारीपुर स्थित प्रबन्ध निदेशक कार्यालय पर जबरदस्त विरोश प्रदर्शन किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश संयोजक ई0 शैलेन्द्र दुबे जी ने बताया कि माननीय ऊर्जा मंत्री जी अक्सर महाकुंभ की सफलता या उपलब्धि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से बताते रहते हैं किन्तु जिस महाकुंभ की बिजली निजी कम्पनी से चलाना चाहते थे

वो सरकारी बिजली विभाग द्वारा चमचमाती दूधिया रोशनी को विश्व के चर्चित नाशा एजेंसी द्वारा पिक्चर लेकर पूरे विश्व को दिखाया उसके बाद भी हमारे प्रदेश के ऊर्जावान ऊर्जा मंत्री जी बिजलकर्मियों को सम्मानित करने के स्थान पर निजीकरण का विष पिलाना चाहते हैं जिससे बिजलकर्मियों के भारी आक्रोश व्याप्त होती जा रही है।

वक्ताओं ने बताया कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन का एक साल पूरा होने पर आज देश भर में लाखों बिजली कर्मियों ने सड़कों पर उतर कर निजीकरण और इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 का



जोरदार विरोध किया। आज प्रदेश के सभी जनपदों में बिजली कर्मियों ने लगातार 365 वें दिन विरोध प्रदर्शन जारी रखा। अन्य प्रांतों की राजधानियों और परियोजनाओं पर बिजली कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन कर उग्र में चल रहे बिजली के

निजीकरण के निर्णय को निरस्त करने की मांग की। बिजली कर्मियों की अन्य प्रमुख मांग थी कि संपूर्ण पॉवर सेक्टर का निजीकरण हेतु लागू गए इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 को तत्काल वापस लिया जाय।

संघर्ष समिति ने बताया कि आज वाराणसी में संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने और आगरा में विद्युत अभियंता संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने आंदोलन का नेतृत्व किया। राजधानी लखनऊ में मध्यांचल मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया गया।

विरोध प्रदर्शन सभा में बिजली कर्मियों ने एक साल के सतत संघर्ष के क्रम में संकल्प लिया कि जब तक निजीकरण का निर्णय निरस्त नहीं किया जाता और आंदोलन के चलते बिजली कर्मियों पर की गई समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस नहीं ली जाती तब तक लगातार आंदोलन जारी रखेंगे।

संघर्ष समिति ने बताया कि

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का निर्णय पावर कापोरेशन प्रबंधन द्वारा एक वर्ष पूर्व घाटे के गलत आंकड़ों के आधार पर लिया गया था।

संघर्ष समिति प्रारंभ से ही यह दावा करती रही है की सन्धिडी और सरकारी विभागों के सरकारी बकाया की धनराशि दे दी जाए तो विद्युत वितरण निगम घाटे में नहीं है। विद्युत नियामक आयोग ने संघर्ष समिति के इस दावे पर यह कहकर मोहर लगा दी है कि 01 अप्रैल 2025 को विद्युत वितरण निगमों के पास 18925 करोड़ रुपए सरप्लस था। इसी आधार पर बिजली के टैरिफ में वृद्धि नहीं की गई है।

गंगा को निर्मल बनाने में जुटे नमामि गंगे के युवा स्वयंसेवक

डॉ. उदय शंकर भगत, वाराणसी। सबका साथ हो गंगा साफ हो यह मात्र नारा नहीं वरन् गंगातट पर इसकी प्रासंगिकता भी है राजघाट पर गुरुरार को कुछ ऐसा ही दृश्य नजर आया।जब नमामि गंगे के युवा स्वयंसेवकों ने मिलकर गंगा के आंचल को स्वच्छ किया।श्रमदान करते हुए बिखरी गंदगियों को समेटना प्रारंभ किया तो कुछ ही मिनटों में काफी दूर तक गंगा निर्मल दिखाई पड़ने लगी।श्रमदान के दौरान 5 गुट्टर में सैकड़ों किलों कपड़े, पॉलीथिन, बोतलें, मूर्तियां, फूल मालाएं आदि समेटे गए।



से विचार करने की बात है पापनाशिनी गंगा में स्नान करने मात्र से कई जन्मों के संचित पापकर्म नष्ट हो जाते हैं तो जरा विचार करें कि ऐसी जीवनदायिनी, पतितपावनी गंगा के आंचल से निकाली गयी गंदगी से कितना पुण्य अर्जित होगा। सर्वसमाज को मिलकर स्वच्छता अभियान के

महायज्ञ में भाग लेना चाहिए।गंगा तलहटी में पड़ी किसी एक वस्तु को भी बाहर निकाल देंगे तो हम कई गुना पुण्य के भागी बनेंगे।अभियान में प्रमुख रूप से चारुशिला सिन्हा, जय विश्वकर्मा, सुमित मध्येशिया, रुद्र अग्रहरि, अनुराग सोनकर, कुशाग्र कुशवाहा, टीपू, जैनुल आदि रहे।

व्यापारियों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों के साथ बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट की बैठक

वाराणसी। वाराणसी मंडल प्रशासन द्वारा उद्योग जगत एवं व्यापारियों को उन्नत मॉल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज 27 नवम्बर,2025 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के भारतेंदु सभागार में मंडल रेल प्रबंधक श्री आशीष जैन की अध्यक्षता में मंडल के व्यापारियों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों के साथ बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट के अधिकारियों की माल-भाड़ा ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया।



कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर अभिषेक राय,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(सामान्य) पंकज केशरवानी, मंडल वाणिज्य प्रबंधक रमेश पाण्डेय तथा व्यापारियों में श्री रामप्रसाद, शिव नारायण माल व्यापारी/राइस वीट, मिहिर सिंह/माल व्यापारी(माईसेम सीमेन्ट), प्रशांत सचदेवा(अल्ट्राटेक सीमेन्ट), अरुण

तुलस्यान (अल्ट्राटेक), अनुराग रंजन(फूड ग्रेन), सुरेश लोहिया माल व्यापारी /जैविक खाद, सिकन्दर कुशवाहा माल व्यापारी /फूड ग्रेन, रविन्द्र नाथ राय (इफ्को/पी.सी.एफ), बाँबी माल व्यापारी (राइस मील), आशुतोष राय/माल व्यापारी अम्बुजा सीमेन्ट, योगेन्द्र रस्तोगी/फर्टिलाइजर एवं प्रेम

पाण्डेय उपस्थित थे। मंडल रेल प्रबंधक,वाराणसी श्री आशीष जैन ने बैठक उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए बताया की यह आयोजन सिर्फ एक औपचारिक बैठक नहीं है, बल्कि यह रेलवे और व्यापार जगत के बीच सहयोग की भावना को और मजबूत करने का एक मंच है। हमारा लक्ष्य स्पष्ट रूप से रेलवे परिवहन को आपकी पहली पसंद बनाना है। हम यहाँ यह जानने के लिए एकत्रित हुए हैं कि हम कैसे अपनी सेवाओं को और बेहतर बना सकते हैं ताकि आपके माल का परिवहन अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और लागत प्रभावी हो सके। हम माल ढुलाई के क्षेत्र में आपकी आवश्यकताओं को समझ सकें, मौजूदा सेवाओं में सुधार कर सकें, और भविष्य के लिए एक मजबूत साझेदारी बना सकें।

रेल महिला कल्याण संगठन द्वारा नगर के विभिन्न जगहों पर किया गया कंबल वितरण

संजय शर्मा व्यूरो चन्दौली, चन्दौली /डीडीयू नगर। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, प0 दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा प0 दीन दयाल उपाध्याय नगर के विभिन्न जगहों जैसे डी0डी0यू0 जंक्शन के परिसर, मानस नगर तालाब, जी0टी0 रोड किनारे आदि में कई बेघर जरूरतमंदों लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्ष चित्रा सिंह ने कहा कि आम तौर पर सर्दियों में हम सब गर्मी, सुरक्षित और आरामदायक जगह पाने के लिए कंबल में दुबकना पसंद करते हैं, लेकिन शहर में कई ऐसे बेघर और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग हैं, जो सड़क किनारे, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, फुटपाथ और दूसरी सार्वजनिक जगहों पर अपनी

राते बिताते हैं, उन्हें कड़ाके की सर्दी में जिंदा रहने के लिए सच में बहुत मुश्किल होती है।

इस अवसर पर संगठन की अध्यक्ष एवं सदस्याओं द्वारा प0



दीन दयाल उपाध्याय नगर के विभिन्न जगहों पर कुल 35 बेघर लोगों को कंबल वितरण किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचने की पूरी कोशिश है जो कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए सार्वजनिक जगहों पर संघर्ष कर रहा है।

महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाया गया जागरूकता अभियान

मिर्जापुर। महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु शारदीय नवरात्र-2025 के दौरान चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज- 5.0 के तहत सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में जनपद में महिला वीट आरक्षी/एटी रोमियों पुलिस टीम सहित पुलिस अधिकारीगण के माध्यम से क्षेत्र में भ्रमण कर प्रमुख चौराहों, कस्बों, बाजारों, मन्दिर, शीर्षिंग मॉल, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों व गांवों में जाकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,



निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पी०एम०स्वाविधि योजना,पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप

सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा बाल विवाह, पाकसो एन्ट, एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह एवं बालश्रम तथा महिला उत्पीड़न के संघर्ष में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है तथा छोटे-छोटे बच्चों को गुडटच-बैटच के बारे में बताया गया और किसी भी समस्या के बारे में अपने अभिभावकों या पुलिस को अवश्य अवगत कराने के सुझाव दिये गये।

शहादत का स्मरण



महेन्द्र सोनकर
संपादक

भले ही श्रीलंकाई संकट के समाधान हेतु भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा जाना तत्कालीन सरकार का फैसला रहा हो, लेकिन वास्तव में भारतीय सैनिक राष्ट्र के हितों और सैन्य दायित्वों के लिये ही लड़े थे। इस फैसले का उद्देश्य श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा और उनके न्यायसंगत पुनर्वास के लिये पहल करना भी रहा है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय शांति सेना यानी आईपीकेएफ के पूर्व सैनिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से रोष व्याप्त रहा है कि आईपीकेएफ सैनिकों के बलिदान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब सरकार व सेना ने इस कमी को पूरा करने की दिशा में कम से कम एक पहल तो की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस युद्ध में करीब तीन हजार से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए थे। इससे पूर्व कई वीर सैनिकों को वीरता पदक से सम्मानित भी किया जा चुका है। लेकिन एक टीस के साथ कहा जाता रहा है कि यह अकस्मर भूला दिया जाने वाला युद्ध रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोलंबो में भारतीय शांति रक्षक सेना और पलाली में 10-पैरा के शहीदों के लिये स्मारक का निर्माण किया गया था। यह विडंबना ही है कि आईपीकेएफ के पूर्व सैनिक, शहीदों की विधवाएं और उनके परिजन राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर निजी स्तर पर स्मरणोत्सव आयोजित करते रहे हैं। निश्चित ही देश के हितों के लिये चलाये गए किसी भी सैन्य अभियान में शहीद हुए सैनिकों को सामान्य युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की तरह पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए। दरअसल, ऑपरेशन पवन में शहीद हुए सैनिकों के परिजन और युद्ध में भाग लेने वाले जवान भी उन्हें पर्याप्त सम्मान दिए जाने की आस लंबे समय से रखते रहे हैं। वर्षों से उनकी मांग रही है कि साल 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम और वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध के शहीदों की याद में मनाये जाने वाले खास दिनों की तरह ह्यूऑपरेशन पवनह्व की याद में भी एक विशेष दिन की घोषणा की जानी चाहिए। वही दूसरी ओर शहीद सैनिकों के परिजनों की एक टीस उन्हें दशकों से सालती रही है। चूंकि ऑपरेशन पवन में शहीद हुए कई सैनिकों का अंतिम संस्कार या दफनाने की प्रक्रिया विदेशी धरती पर पूरी हुई थी, इसलिए उनके परिजन शहीद सैनिकों के अवशेषों को वापस भारत लाने की नीति को सुव्यवस्थित करने की मांग करते रहे हैं। वे एक ऐसे आयोग के गठन की भी मांग करते रहे हैं जो शहीद सैनिकों के पार्थिव अवशेष को वापस भारत लाने की नीति को तार्किक बना सके। उनकी मांग रही है कि उन अवशेषों को भारत लाकर आईपीकेएफ का एक स्मारक बनाकर, उसमें सम्मान के साथ स्थानांतरित किया जाना चाहिए। निस्संदेह, किसी भी देश के वीर शहीदों के स्मारक सामूहिक स्मृति के प्रतीक होते हैं।

विचार

खतरनाक मंसूबे

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नशरर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चुकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रस का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश-समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं। दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ-सुधरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है। यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो वे भारतीय कानूनों के हिसाब से गंभीर सजा से बच जाते हैं। इस तरह, उनकी कम उम्र ही उन्हें सीमा पार बैठे नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलतः अपराधी नहीं होते। कुछ शांति अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं। असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है। हम 21वीं सदी में नशे की तस्करी का मुकाबला बीसवीं सदी के उपयों से नहीं कर सकते हैं। कभी-कभार होने वाली गिरफ्तारियां, छिटपुट छापे और उदार चेतावनी अपर्याप्त कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से अपराध की घातकता के अनुरूप ही प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। सीमा की निगरानी व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाये जाने की सख्त आवश्यकता है। स्कूलों, पंचायतों, सामुदायिक नेताओं और नागरिक समाज को पहले ही चेतावनी प्रणालियां बनानी चाहिए, ताकि पहचान हो सके कि बच्चों की परवरिश किस ढंग से की जा सके। इस दिशा में अभिभावकों को भी जागरूक करने की जरूरत है ताकि वे बच्चों के पथभ्रष्ट होने के खतरे की प्रति सचेत रहें। समुदायों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। साथ ही जोखिम के दायरे में आ सकने वाले युवाओं को बेहतर शिक्षा, कार्य कौशल और वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए ताकि वे किसी प्रलोभन में आकर गलत राह न चुने। निश्चित तौर पर नाबालिगों का यह दुरुपयोग पंजाब के सामाजिक ताने-बाने व भारत की सुरक्षा पर हमला है।

विचार/संवाद

मुस्लिम वोट के लिए ममता का एसआईआर पर विरोध

पश्चिम बंगाल के 294 सीट के लिए मार्च-अप्रैल 2026 को विधानसभा चुनाव होना है। यह चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। इस चुनाव को राज्य की सत्ता पर दोबारा कब्जा जमाने की कोशिश कर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दलों के लिए एक निर्णायक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है

बिहार में राजद-कांग्रेस विपक्षी महागठबंधन की करारी शिकस्त के बाद पश्चिमी बंगाल में वर्ष 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चौरसर बिछ गई है। इस चौरसर पर तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोई भी दाव हाथ से नहीं देना चाहती हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआईआर का जम कर विरोध कर रही है। इस विरोध की जड़ में छिपा हुआ है ममता का मुस्लिम वोट बैंक प्रेम। ममता एक तरफ अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंन्या शरणार्थियों को बसाने का पुरजोर समर्थन करती रही हैं। ममता का प्रयास है कि भाजपा उत्तर भारत के राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल में वोटों का ध्रुवीकरण नहीं कर पाए। इसलिए ममता मुस्लिम वोट बैंक के खिसके बैंगेर हिन्दू वोट बैंक को भी साधने की फिराक में है।

पश्चिम बंगाल के 294 सीट के लिए मार्च-अप्रैल 2026 को विधानसभा चुनाव होना है। यह चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। इस चुनाव को राज्य की सत्ता पर दोबारा कब्जा जमाने की कोशिश कर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दलों के लिए एक निर्णायक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है। मौजूदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, वहीं भाजपा, वाम दल और कांग्रेस भी नए गठबंधनों और रणनीतियों के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। यही वजह है कि ममता एसआईआर को विरोध का



राजनीतिक हथियार बना लिया है। पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में जब से वोटर लिस्ट के एसआईआर करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके बाद से पश्चिम बंगाल से अवैध रूप से बॉर्डर पार कर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की तादाद बढ़ गई है। दोनों देशों में अवैध रूप से सीमापार करके आने-जाने का यह सिलसिला पहले घुसपैठियों के अलावा अधिकतर तस्करों के बीच होता था। लेकिन अब जिस तरह से भारत से बांग्लादेश जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसे घुसपैठियों का बांग्लादेश वापस लौटना माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल से लगते भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर हलचल तेज है। इसमें कुछ लोग पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश जाने की कोशिश कर रहे हैं। जिसमें कुछ कामयाब भी हो रहे हैं। हालांकि, बॉर्डर पर चौकस बीएसएफ को इसी कड़ी में राज्य की मुख्यमंत्री ममता

लेकिन बीएसएफ की नजर में ऐसे कुछ मामले आ रहे हैं। जिनमें पश्चिम बंगाल में एसआईआर शुरू होने के बाद बांग्लादेश की तरफ जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर शुरू करने की प्रक्रिया चार नवंबर से शुरू की थी। चार दिसंबर तक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जाने और वापस लिए जाने हैं।

आयोग का कहना है कि अभी तक पश्चिम बंगाल के कुल सात करोड़ 66 लाख से अधिक मतदाताओं में से सात करोड़ 63 लाख से अधिक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जा चुके हैं। यह काम 99 फीसदी पूरा कर लिया गया है। अब बचे गए फार्म इकट्ठा करना शुरू किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में भारतीय चुनाव आयोग के स्पेशल इंवेस्टिगेटिव रिवीजन का लगातार विरोध कर रही है। इसी कड़ी में राज्य की मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करेंगी। ममता बनर्जी रैली के बाद बनगांव में एक विरोध मार्च में भी हिस्सा लेंगी। ये दूसरी एसआईआर विरोधी रैली और विरोध मार्च होगा जिसका नेतृत्व ममता करेंगी। पहली रैली 4 नवंबर को कोलकाता में हुई थी।

जब-जब पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक पर किसी तरह का संकट नजर आता है, ममता बनर्जी हमेशा उनके पक्ष में खड़ी नजर आती हैं। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा था कि बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को देखते हुए वह पड़ोसी देश से संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। बनर्जी ने शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का हवाला देते हुए कहा था कि पिछले कुछ दिनों में पड़ोसी देश में कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति के कारण संभावित मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है।

ममता बनर्जी के इस बयान पर बांग्लादेश की सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई थी। बांग्लादेश ने इस मामले पर अपनी चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को एक खत भेजा था। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा था कि ह्पपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रति पूरे सम्मान के साथ, जिनके साथ हमारे बहुत ही मधुर और घनिष्ठ संबंध हैं, हम यह साफ करना चाहते हैं कि उनकी टिप्पणियों में भ्रम पैदा करने की बहुत गुंजाइश है। इसलिए हमने भारत सरकार को एक खत भेजा है।

विकासशील देशों के सामने एआई संप्रभुता की चुनौती

किसी भी स्थिति में, एआई संप्रभुता आज कई मध्यम-आय वर्ग के देशों के लिए एक दुखती रग साबित हो रही है। उन्हें वित्तीय निवेश करने की अपनी क्षमता का आकलन, अपेक्षित आर्थिक लाभ, डेटा गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुद्धिमानि भरे निर्णय लेने होंगे।

अब जबकि हमारा देश भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026 आयोजित करने की तैयारी कर रहा है, यह ध्यान रखना जरूरी है कि फरवरी माह में पेरिस में हुए एआई क्रियान्वयन शिखर सम्मेलन 2025 में एआई संप्रभुता एक केंद्रीय मुद्दा था। महत्वपूर्ण बात यह है कि आज दुनियाभर में एआई से संबंधित बड़े पैमाने पर निवेश की दिशा-दशा एआई संप्रभुता की अवधारणा निर्धारित करती है।

डिजिटल युग के आरंभिक और सबसे प्रभावशाली सिद्धांतकारों में से एक, फ्रांसीसी दार्शनिक बर्नार्ड स्टीगलर के अनुसार, तकनीक की पारंपरिक अवधारणा से आगे बढ़ने में दुनिया को अच्छी तरह समझना पड़ेगी है। उनका मानना था कि मनो-राजनीति (साइक्लोलॉजिलिटिक्स), जो, मीडिया और तकनीक हमारे मानस और ध्यान को आकार देने की क्षमता रखती है, 21वीं सदी को परिभाषित करती है। स्टीगलर का तर्क था कि तकनीक एक ह्राफमार्कोनहल हैअब जहर जो इलाज भी करता है - और यह हमें चुनना होगा कि हम तकनीक को अपना दहइस्तेमालह करने दें या आधुनिक एजेंसियों से अपनी तर्कसंगत संप्रभुता वापस पाने के लिए इसका उपयोग ह्यमहत्वपूर्ण गहनताह्व के लिए सावधानी से करें। हालांकि, 21वीं सदी की



शुरूआत में तकनीकी संप्रभुता की अवधारणा का पुर्नर्विन्यास हुआ था, जो मुख्यतः भू-राजनीतिक टकरावों और प्रतिबंधों के परिणामवश था। वर्ष 2000 और 2010 के दशक की शुरूआत में, इंटरनेट संप्रभुता पर सबसे पहले चर्चा संभवतः चीन में हुई थी। फिर, इस एआई युग में विदेशी शक्तियों पर निर्भरता से बचने के लिए, विभिन्न देशों ने डिजिटल बुनियादी ढांचा, डेटा और एआई पर नियंत्रण स्थापित किया। साथ ही, ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में 2018 में अमेरिका और चीन के बीच चले व्यापार युद्ध ने संप्रभु

एआई होने की जरूरत को बढ़ावा दिया। एआई संप्रभुता किसी राष्ट्र या कंपनी द्वारा अपनी एआई तकनीकों को स्वतंत्र रूप से नियंत्रित करने की क्षमता है, जिसमें डेटा, बुनियादी ढांचा और स्वरूप शामिल हैं, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा, नियामक अनुपालन और रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। इसमें विदेशी नियंत्रण केंद्रों पर निर्भरता से बचना, संवेदनशील डेटा को अपने अधिकार क्षेत्र में बनाए रखना और घरेलू ढांचे के भीतर एआई प्रणालियों का विकास एवं कार्यान्वयन शामिल है। सरल शब्दों में, संप्रभु एआई

यह सुनिश्चित करना चाहता है कि एआई का उत्पादन घरेलू स्तर पर हो, जिसमें वह डेटा भी शामिल हो जिसका उपयोग एआई प्रशिक्षण में, अनुसंधान करते वक्त खोज करने में और किसी प्रश्न के उत्तर में आउटपुट के रूप में उत्पन्न करने वाला डेटा हो। इस प्रकार, ह्यडेटा संप्रभुताह्व और ह्यएआई संप्रभुताह्व आपस में जुड़ी हुई हैं, फिर भी अलग हैं। लेकिन संप्रभु एआई यह सुनिश्चित करता है कि एआई उनके सांस्कृतिक, नैतिक और कानूनी मानकों के अनुरूप हो। आज राष्टों को जेनएआई के जोखिमों, फायदों और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक विकास पर उनके संभावित प्रभाव के बारे में मालूम है।

उदाहरण के लिए, 2035 तक, एआई भारत की अर्थव्यवस्था को 1.7 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने में मदद कर सकता है। अप्रैल 2024 में प्रकाशित विश्व आर्थिक मंच के एक लेख में, जिसका शीर्षक है संप्रभु एआई: यह क्या है, और इसकी प्राप्ति के छह रणनीतिक स्तंभ, के अनुसार, संप्रभु एआई के लिए प्रयास का अर्थ अनिवार्य रूप से डिजिटल अलगाव नहीं है, बल्कि रणनीतिक लचीलेपन के लिए प्रयास है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ मिलकर किया जा सकता है।

रणनीतिक स्तंभ, जिनमें डिजिटल बुनियादी ढांचा, कौशल विकास, अनुसंधान, विकास एवं नवाचार, नियामक एवं नैतिक तानाबाना, एआई उद्योग को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं, ये अवयव देशों को अपनी संप्रभु एआई क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेंगे।

आचरण का हिस्सा बने संविधान की भावना

पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी ऐसी दो तिथियां हैं जब तिरंगा लहरा कर अपना देश-भेम प्रकट करना हमें जरूरी लगता है। इसमें पहली तिथि (15 अगस्त, 1947) तो वह है जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ था और दूसरी (26 जनवरी, 1950) हमें अपने लिए एक संविधान बनाने की याद दिलाती है। हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसके अनुसार हमने अपना जीवन संचालित करने का संकल्प किया था। इसी संदर्भ में एक तिथि और भी है जो हमें अपने संविधान के प्रति निष्ठा की याद दिलाती है—वह तिथि है 26 नवम्बर। वर्ष 1949 में इसी दिन हमारी संविधान सभा ने भारत के संविधान को आत्मार्पित किया था, जो दो माह बाद देश पर लागू हुआ।

हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी माने जाने वाले बाबा साहेब अम्बेडकर की 126वीं जयंती पर, दस साल पहले, भारत सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान-दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया। तब से हर साल इस दिन कृतज्ञ राष्ट्र अपने संविधान-निर्माताओं को याद करता है, और यह संकल्प दुहराता है कि समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधार पर एक नया समाज बनायेंगे। यह भी शपथ ली जाती है कि हम सांविधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे। पर क्या हम यह काम पूरी ईमानदारी से कर रहे हैं?

हमारा संविधान हमें सिखाता है कि भारत का हर नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का क्यों न हो, समान है। समता के इस सिद्धांत का मतलब है भारतीय एगलतंत्र का हर नागरिक संविधान की दृष्टि में किसी अन्य से किसी भी तरह कमतर नहीं है। सबके अधिकार बराबर हैं— और सबके कर्तव्य भी। इस समता के अभाव में न

स्वतंत्रता का कुछ अर्थ रह जाता है और न ही न्याय और बंधुता का। अब हमें अपने आप से यह पूछना है कि समता के इस मानदण्ड पर हम कितने खरे उतरते हैं। जिस जनतांत्रिक व्यवस्था को हमने

बार सोचना चाहिए कि उसका यह कार्य उस संविधान के अनुरूप है या नहीं जिसने हमें मतदान का अधिकार दिया है? बहुत अच्छा है हमारा संविधान। एक पूरा जीवन-दर्शन झलकता है

जब हम समता की बात करें तो वह एक भारतीय समाज का उदाहरण हो; जब हम स्वतंत्रता की बात करें तो उसमें स्वतंत्रता के सारे प्रतिमान दृष्टिगोचर होते हों, जब हम न्याय की बात करें तो वह हर क्षेत्र में हर भारतीय को मिलने वाला न्याय हो। तब, और सिर्फ तब, हम सही अर्थों में संविधान दिवस मनाने के अधिकारी होंगे

अपने लिए स्वीकारा है उसमें मतदान का बहुत व्यापक अर्थ है, और बहुत बड़ा अर्थ है। मतदान के द्वारा हम न केवल उनका चुनाव करते हैं जो हमारा प्रतिनिधित्व अथवा नेतृत्व करते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि हम न्याय और बंधुता के पक्ष में खड़े हैं; हम सिर्फ अपने ही हित के लिए नहीं, अपने ही जैसे दूसरे नागरिकों के कल्याण के बारे में भी सोचते हैं। मतदान वस्तुतः व्यक्तियों का नहीं, बल्कि व्यवस्था का चुनाव है। यह बात समझने और स्वीकारने के बाद हमें यह सोचना है कि मतदान केंद्र पर जाकर हम जो वोट डाल आये हैं, क्या वह उन आदर्शों और मूल्यों के पक्ष में हुआ है या फिर अपने स्वार्थों और अपनी अज्ञानता के चलते हम कोई घटिया समझौता कर आये हैं? ऐसा कोई भी समझौता किसी अपराध से कम नहीं होता। इसलिए, पेटी में वोट डालने अथवा मशीन का बटन दबाने से पहले जागरूक मतदाता को दस

इसमें। हमारे संविधान-निर्माताओं ने हर बात को बड़ी गहराई और विस्तार से सोचा है। पर डॉक्टर अम्बेडकर ने 25 नवम्बर, 1949 को, यानी संविधान स्वीकार किये जाने से एक दिन पहले संविधान सभा में अपने आखिरी भाषण में एक चेतावनी दी थी। उन्होंने चेताया था, ह्रासविधान चाहे कितना ही अच्छा क्यों न हो, अगर उसे लागू करने वाले लोग अच्छे नहीं हैं तो वह विफल हो जायेगाह्व बड़ी शिद्दत से याद किया जाता है संविधान सभा में दिये गये उनके इस भाषण को। उन्होंने जोर देकर कहा था कि समानता और बंधुत्व के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं रह जाता। तीसरी चेतावनी जो उन्होंने देशवासियों को दी थी, वह यह थी कि राजनीति में व्यक्ति-पूजा तानाशाही की ओर ले जाती है।

सवाल उठता है क्या हमारे संविधान के शिल्पी की इन बातों के बारे में हम कभी सोचते हैं?

दुर्भाग्य से इस प्रश्न का उत्तर ह्याह्वहमें नहीं है। हम और हमारे नेता संविधान के प्रति आदर दिखाने में भले ही पीछे न रहते हों, पर संविधान को सिर झुकाना और बात है, संविधान के प्रति ईमानदारी से निष्ठावान होना और बात। हमने अपने बड़े-बड़े नेताओं को, सबसे बड़े नेता को भी, न जाने कितनी बार संविधान की कमी खाने देखा है, हमारे नेता यह कहने में भी संकोच नहीं करते कि देश का संविधान उनके लिए सबसे बड़ी धार्मिक पुस्तक है। पर इस सबसे बड़ी धार्मिक पुस्तक के प्रति उनका व्यवहार कैसा है? संविधान समानता की बात करता है, हमारे नेता असमानता की होड़ में लगे दिखाई देते हैं; संविधान कहता है धर्म या जाति के आधार पर देश में कोई भेद-भाव नहीं होना चाहिए, हमारे नेता धर्म के आधार पर वोट बैंक बनाने में लगे रहते हैं। मेरा धर्म और तेरा धर्म की लड़ाई खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही।

लोगों को इस बात पर भी आपत्ति है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ह्यरघुपति राघव राजाज्यो वाले भजन में ह्यईश्वर-अल्लाह तेरो नामह्व क्यों जोड़ दिया था! हमारा संविधान देश के नागरिकों के बीच बंधुता के आदर्श की दुहाई देता है, हम इस आदर्श की ध्वजियां उड़ाने में लगे हैं!

डॉक्टर अम्बेडकर ने प्राचीन भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था और परम्पराओं का हवाला देते हुए चेताया था, लोकतंत्र का यह सुनहरा इतिहास अब बीते कल की बात होकर रह गया है। अब हमें नये सिर से एक नये लोकतंत्र को सजाना है, उसे मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा था अपना यह प्राचीन लोकतंत्र हम एक बार खो चुके हैं, डर है, फिर न खो बैठें। सवाल उठता है वह डर हमें क्यों नहीं लगता? लगना चाहिए यह डर। और फिर इस डर से मुकाबला करने की एक उमंग भी जगनी चाहिए हमारे भीतर।

संक्षिप्त समाचार

घर बुलाकर युवक को मारी गोली , गंभीर

जौनपुर। जिले के मछलीशहर में दबंगों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि टेंट हाउस संचालक के भतीजे को घर से बुलाकर गोली मार दी। इससे युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुजार में टेंट हाउस संचालक के भतीजे 22 वर्षीय धीरज यादव को बुधवार की रात गोली मार दी गई। बदमाशों ने फोन कर घर से बुलाने के बाद वारदात को अंजाम दिया। घायल की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया है। जहां हालत नाजुक बनी हुई है। देवरिया निवासी राजेंद्र यादव का भतीजा धीरज मुंबई में काम करता है। घर में आयोजित शादी में शामिल होने के लिए इन दिनों आया हुआ है। परिजनों के मुताबिक रात में फोन आया, जिसके बाद घर से वह निकला। उधर, मुजार में बदमाशों ने उसे गोली मार दी। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि धीरज को सिकरारा निवासी राजा पासी और कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारने की सूचना प्राप्त हुई थी, सूचना पर तत्काल थाना पुलिस पहुंच गई। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए बोचरचू वाराणसी रेफर कर दिया गया है। परिजनों की तहरीर पर राजा पासी और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास की धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है। घटना के अनावरण के लिए तीन टीमों का गठन किया गया। साथ ही टीमों के संयुक्त प्रयास से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। घटना में प्रयुक्त असलहे को बरामद किया गया है। प्रभारी निरीक्षक मछलीशहर को निर्देशित किया गया कि सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई करें।

युवक ने विषाक्त पदार्थ खाकर दिया जान

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के कोरवलिया गांव में परिजनों की डांट से धुब्ध होकर एक युवक ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इलाज के दौरान देर रात जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। बताते है कि भादी ग्राम सभा के कोरवलिया गांव निवासी 20 वर्षीय सौरभगोड़ पुत्र राजेश गोड़ ने बुधवार दोपहर मामूली कहासुनी के बाद परिजनों की डांट से परेशान होकर घर में रखे विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। उसकी हालत गंभीर होने पर परिजनों ने उसे तत्काल राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया।राजकीय चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सौरभ की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया था। देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भाजपा के नये जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं माटी कला बोर्ड के सदस्य अजीत प्रजापति को नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है जिलाध्यक्ष प्रजापति बिजेथुआ धाम का दर्शन करने के बाद शाहगंज पहुंचे व बदलापुर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया फिर नौपेडवा में स्वागत किया गया इसके वह सीधे सिहीपुर स्थित कार्यालय पर पहुंचे जहा उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया गया उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेदारी संगठन में उनकी सक्रियता और जमीनी पकड़ को देखते हुए सौंपी है नियुक्ति के बाद जिले में कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्होंने कहा कि वे पार्टी की नीतियों और संगठन की मजबूती को प्राथमिकता देते हुए जनपद को संगठनात्मक रूप से शीर्ष पर ले जाने का प्रयास करूंगा उन्होंने यह भी कहा कि संगठन की ओर से जिले के विकास को नई दिशा देना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने राजनीति की शुरूआत पहले वो राष्ट्रीय सेवक संघ के स्वसेवक के रूप में की। कार्य कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और मिठाई वितरण के साथ नए जिलाध्यक्ष का स्वागत किया उन्हें शॉल और फूल माला से सम्मानित भी किया गया । जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से कहा कि उनके मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा की जाएगी उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया संगठन को मजबूत करने और अंत्योदय के सपने को साकार करने का संकल्प लिया। कृष्ण कुमार जायसवाल मनोरमा मौर्य रामसूरत मौर्य संतोष सिंह सुधाकर उपाध्याय राजू दादा नरेंद्र उपाध्याय अनिल गुप्ता सुरेश धुरिया आमोद सिंह रोहन सिंह भूपेंद्र सिंह सुधांशु सिंह परविंदर चौहान इंद्रसेन सिंह घनश्याम यादव लवकुश सिंह सिद्धार्थ सिंह शनि शुक्ला अवनीश यादव जितेंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

सरल एसआईआर प्रक्रिया बनाने की मांग

जौनपुर । काग्रिस पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संजय माली के नेतृत्व मे कांग्रेसियों ने जिला मुख्यालय पर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित जापान जिलाधिकारी को सौंपा। जिसमे प्रमुख मांग है कि, देश में राज्य दर राज्य चुनाव आयोग द्वारा इन्टेसिव रिवीजन किया जा रहा हैएसआईआर की पक्षपाती और संदेहप्रद व्यवस्था के प्रति आम जनमानस में वोट चोरी के माध्यम से सरकार चोरी की सरकारी व्यवस्था को लेकर निराशा और गुस्सा है। लोकतंत्र में जनता के ऊपर खासकर दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्गों को वोट के अधिकार से वंचित होने का खतरा महसूस हो रहा है। वक्ताओं ने कहा कि एवं एस.आई.आर. लागू होने वाले राज्यों में लगातार बी.एल.ओ. कर्मचारियों के आचरव्या की दुःखद खबरें एवं जौनपुर निवासी विपिन यादव जो कि गोंडा मे कार्यरत थे उनकी दुखद मृत्यु इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती हैं।

यूपी बीजेपी को 14 जिलाध्यक्ष मिले, दागी मुखलाल को हटाया

5 पुराने चेहरों पर फिर जताया भरोसा 14 जिलाध्यक्षों पर अब भी पेंच फंसा

लखनऊ। यूपी में भाजपा ने 14 नए जिलाध्यक्षों की लिस्ट जारी कर दी है। नए जिलाध्यक्षों में जातीय संतुलन साधने की कोशिश की गई है। इनमें सबसे ज्यादा 7 सामान्य, 6 पिछड़े और 1 अनुसूचित जाति से हैं। 14 में से 5 पुराने चेहरों पर दोबारा भरोसा जताया गया है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के गृह जिले जालौन से उर्विजा दीक्षित और डिड्डी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के जिले कौशांबी से धर्मराज मौर्या को फिर जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा अलीगढ़ जिला में कृष्णपाल सिंह, अलीगढ़ महानगर से राजीव शर्मा और फिरोजाबाद जिला से उदय प्रताप सिंह पर भी पार्टी ने दोबारा भरोसा जताया है। फतेहपुर के दागी जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल को पार्टी ने हटा दिया है। उन पर पार्टी में पद दिलाने के नाम पर 50 लाख रुपए लेने के आरोप लगे थे। उनके स्थान पर अन्नू श्रीवास्थ को फतेहपुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले 17 मार्च को 98

संगठनात्मक जिलों में से 70 जिलों के जिलाध्यक्षों का ऐलान किया गया था। ऐसे में अब तक 84 जिलाध्यक्षों की घोषणा हो चुकी है। अब केवल 14 जिलाध्यक्ष और बचे हैं। अब तक कुल 53 जिलों में नए जिलाध्यक्ष नियुक्त किए हैं। 31 जिलाध्यक्षों को दूसरी बार मौका दिया है। सामान्य वर्ग से 45, अनुसूचित जाति से 7, पिछड़ी जातियों से 32, चार कायस्थ, 21 ब्राह्मण, 5 वैश्य, ठाकुर समाज से 13 जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं।

जौनपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची के शुद्धिकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकार/ध्विलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में जनपद स्तर से लेकर प्रत्येक बूथ स्तर तक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मतदाताओं को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अन्तर्गत मतगणना प्रपत्र भरने हेतु जागरूक करने के लिए मुनादी करायी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि वे घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण एवं

गाना बजाया था- तूफान और हम जब भी आते हैं... फाड़ के जाते हैं

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद (20) पर पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। भड़काऊ REEL को लेकर बुधवार देर रात धूमनगंज थाने में केस दर्ज किया गया। दरअसल, एक शादी समारोह में शामिल हुए अबान का एक भड़काऊ वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया। इसमें एक धमकी भरा डायलॉग भी जोड़ा गया।

रील के बैकग्राउंड में एक गाना लगाया गया। गाने के बोल हैं- सामने वाले को हमसे क्या मिलेगा, ये उसकी औकात बताएगी... हम दिल भी रखते हैं और असलहा भी...हम कुत्तों की तरह पीछे से वार नहीं करते, सामने से फाड़ देते हैं...

तूफान और हम जब भी आते हैं, मां कसम... फाड़ के जाते हैं। धूमनगंज थाने के सब इंस्पेक्टर आदित्य सिंह ने एफ्लिकेशन दी। जिसमें लिखा- इस तरह का वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर समाज

में दहशत फैलाने की कोशिश की गई।एसीपी धूमनगंज अजयेंद्र यादव ने बताया- बीएनएस की धारा 353 के तहत अबान और उसके साथी हमजा समेत कई अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की गई है।

मंडल स्तरीय स्वास्थ्य समीक्षा बैठक संपन्न

गाजीपुर। आज मंडल स्तरीय स्वास्थ्य समीक्षा बैठक अपर निदेशक कार्यालय में नवागत अपर निदेशक डॉक्टर एन 0डी 0शर्मा साहब के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें मंडल के समस्त जनपदों से मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ,जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला कम्युनिटी प्रक्रिया प्रबंधक ,जिला लेखा प्रबंधक के साथ-साथ मंडलीय परियोजना प्रबंधक ,मंडलीय लेखा प्रबंधक, मंडलीयअर्बन कंसलटेंट मंडली क्वालिटी एवं पब्लिक हेल्थ कंसलटेंट यूएनडीपी के परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सर्वप्रथम माह सितंबर के हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग पर चर्चा की गई जिसमें वाराणसी मंडल को

प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। और जनपद वाराणसी सातवें स्थान पर जनपद जौनपुर 21वें स्थान पर जनपद गाजीपुर 45 वे स्थान पर चंदौली 25 वे स्थान पर स्थित है ।मुख्य संकेतकों के रूप में जनपद गाजीपुर एवं चंदौली के संस्थागत प्रसव में गिरावट दर्ज की गई है इसी प्रकार जनपद चंदौली में एचबीएनसी विजिट और penta3 टू बीसीजी रेशों में कमी देखी गई। टीड्यूवीडू नोटिफिकेशन का मानक प्रदेश स्तर से भी कम जनपद वाराणसी में पाया गया।

आरसीएच पोर्टल पर डाटा एंट्री की स्थिति की समीक्षा करते हुए पाया गया कि प्रदेश में कुल फर्स्ट ट्राईस्टर में रजिस्टर्ड हुई गर्भवती माता के राज्य औसत 84.33 के सापेक्ष जनपद गाजीपुर का प्रतिशत 74.57 तथा जनपद जौनपुर का

प्रतिशत 76.26 पाया गया।

हाई रिस्क प्रेगनेंसी में प्रदेश के औसत के समक्ष लगभग सभी जनपदों का स्तर संतोषजनक पाया गया।जिरो से 1 साल के बच्चों के पंजीकरण में जनपद जौनपुर सबसे फीसदी 39.3 प्रतिशत पर राज्य का औसत 44.5 है एवं मंडल में सर्वश्रेष्ठ रजिस्ट्रेशन का कार्य जनपद

चंदौली द्वारा जनपद वाराणसी द्वारा किया गया है ।टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत बीसीजी वैक्सीन के आच्छादन की स्थिति वाराणसी में राज्य स्तर से भी कम प्रगति पाई गई।

क्वालिटी एश्योरेंस के अंतर्गत चर्चा में जनपद वाराणसी अखिल स्थान पर है जो कि अपने कुल

सफारी 20 फीट गहरी खाई में गिरी, 3 की मौत

शीशा तोड़कर बाहर निकाला, काशी से जौनपुर शादी में जा रहे थे

वाराणसी/जौनपुर। जौनपुर में बारातियों से भरी सफारी कार 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हैं। कार सवार वाराणसी से धमापूर शादी में शामिल होने जा रहे थे। मुफ्तीगंज बाजार के पास मोड़ पर कार बेकाबू हो गई। ड्राइवर ने कार को कंट्रोल करने के लिए ब्रेक तो मारी, लेकिन वह संभाल नहीं पाया। सफारी, हाईवे से सीधे खाई में जा गिरी। कार गिरते ही चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर राहगीर दौड़े। लोग कार में फंसे थे, मदद को चिल्ला रहे थे। कार के दरवाजे ऑटोमैटिकली लॉक हो गए थे। शीशे तोड़कर

सबको बाहर निकाला गया। सूचना पर पुलिस भी पहुंची। सभी लोगों को मुफ्तीगंज सीएचसी पहुंचाया गया।

अस्पताल में डॉक्टर्स ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गुरुवार को तीनों घायलों की हालत बिगड़ने पर वाराणसी रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान वाराणसी कैट के बबलू (45), श्यामलाल (35) और राजू सोनकर (45) के रूप में हुई है। सभी दूल्हे के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। बुधवार को वाराणसी कैट के संदीप को जौनपुर के इकौना गांव में लक्ष्मण की बेटी से शादी थी। वाराणसी

कैट से करीब 70 किलोमीटर दूर बारात जानी थी। शाम पांच बजे कैट से जौनपुर के लिए बारात निकली। बारातियों में छह लोग एक सफारी पर सवार होकर निकले। रात करीब 10 बजे जौनपुर-

केराकत रोड पर जैसे ही वे लोग पहुंचे, मुफ्तीगंज बाजार के पास टर्न लेते समय अचानक से कार बेकाबू हो गई। ड्राइवर ने ब्रेक मारी लेकिन गाड़ी संथली नहीं। स्पीड तेज होने की वजह से कार फिसलते हुए हाईवे के किनारे एक

पेड़ से टकराई। इसके बाद करीब 20 फीट गहरी खाई में जा गिरी। चीख-पुकार मच गई। आसपास से गुजर रहे लोग मदद को दौड़े। कार के दरवाजे ऑटोमैटिकली लॉक हो गए थे। इसलिए लोग बाहर भी नहीं निकल पा रहे थे। पुलिस भी पहुंच गई। सफारी के शीशे तोड़े गए। इसके बाद सबको बाहर निकाला।

दुल्हन के भाई गोलू सोनकर ने बताया कि हादसा उनके घर से सिर्फ 2 किलोमीटर पहले हुआ। सूचना मिलते ही हम लोग मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- बाहर निकाले गए लोग काफी गंभीर हालत में थे।

पुलिस सभी 6 लोगों को अस्पताल ले गई। लेकिन डॉक्टर्स

ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन लोगों की नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया गया। देर रात जौनपुर रड डॉ. कोस्तुभ जिला अस्पताल पहुंचे। घायलों का हाल जाना।

दुल्हन बबिता सोनकर ने रोते हुए बताया- रात में मैं पार्लर के लिए जा रही थी, तब चाचा भोला सोनकर ने बताया था कि बारात आधे रास्ते पहुंच चुकी है। इसके बाद मैं और भतीजी रेनु सोनकर ब्यूटी पार्लर चले गए। बारात काफी लेट हो रही थी। तो चाचा ने फोन किया।

मैं ब्यूटी पार्लर में थी, तभी मेरे पास फोन आया कि बारातियों का एक्सीडेंट हो गया है।

मृत बीएलओ परिवार को एक करोड़ मुआवजा की मांग

जौनपुर। जिले के ग्राम मल्हनी निवासी सहायक अध्यापक विपिन यादव ने गोंडा जनपद में एसआईआर (सर्वे ऑफ इंडिया रजिस्ट्रेशन) ड्यूटी के दौरान कथित तौर पर दबाव और बार-बार निलंबन की धमकी से परेशान होकर विषाक्त पदार्थ खा लिया था, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्र विपिन यादव के पैतृक गांव मल्हनी पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने मृतक के पिता, भाई और मात्र 3 वर्षीय मासूम बच्चे अभी यादव से मिलकर गहरा दुःख व्यक्त किया। डॉ. अनुराग मिश्र ने गोंडा प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने, पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने, परिवार के

एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा एसआईआर जैसी जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाने के साथ ही इसके लिए उचित समय सीमा दिए जाने की जोरदार मांग की। उन्होंने कहा कि एक मेहनती शिक्षक को सिर्फ ड्यूटी करने की वजह से इस कदर प्रताड़ित किया जाना और अंततः उसकी जान चली जाना अत्यंत दुःखद व निंदनीय है। दोषी अधिकारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाए।परिजनों ने भी प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि विपिन बारा-बार अधिकारियों की धमकियों और मानसिक प्रताड़ना से परेशान था। परिवार ने न्याय की गुहार लगाई है।आम आदमी पार्टी ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द न्याय दिलाने का वादा किया है।

नारियल तेल के फायदे नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, नारियल का तेल है

सर्दियों में सभी महिलाएं त्वचा को रूखेपन से बचाने के लिए मॉइश्चराइजर खरीदती हैं पर अगर आप इसकी जगह नारियल का तेल इस्तेमाल करें तो भी आपको पूरा लाभ मिलेगा क्योंकि ये प्राकृतिक रूप से मॉइश्चराइजर का काम करता है। नारियल का तेल कई गुणों से भरपूर होता है। त्वचा संबंधी कई रोगों के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं नारियल का तेल सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। नारियल तेल के इस्तेमाल से कई फायदे होते हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढ़ियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है। सेहत के साथ-साथ नारियल का तेल त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए भी सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है।

नारियल तेल के फायदे

तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी सहायक



नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है। इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठों पर लगाया जा सकता है।

नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबित होता है। सिर की मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि यह खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होती है।

नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है। नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।

गर्भवती महिलाएं तनाव से बचें

अगर आप गर्भवती हैं तो किसी प्रकार का तनाव न लें। एक अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि गर्भावस्था के दौरान तनाव लेने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा 42 फीसदी बढ़ जाता है। इससे पहले हुए अध्ययन की रिपोर्ट में यह पाया गया था कि 24 सप्ताह की गर्भवती में होने वाले गर्भपात में 20 फीसदी मामले तनाव के कारण होते हैं।

दोबारा अध्ययन के बाद यह पाया गया कि आंकड़े इससे कहीं ज्यादा हैं क्योंकि गर्भपात के कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

यही नहीं अध्ययन की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया कि युवा होते ही तनाव और अवसाद का सामना करने वाले लोगों को आगे के जीवन में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

गर्भावस्थ में काम का ज्यादा तनाव न लें

गर्भावस्था के दौरान काम का बहुत ज्यादा तनाव न लें। अपनी प्राथमिकताएं थोड़ी कम करें और दोस्तों या रिश्तेदारों से मदद लेने में संकोच न करें।

घर का काम कम करें और उस समय का इस्तेमाल आप किताब पढ़ने और आराम करने में कर सकती हैं।

अगर कामकाजी हैं तो ऑफिस में सिक लीव या अपनी छुट्टियों का भरपूर लाभ लें।

लंबी सांस लें और छोड़ें, योग करें या स्ट्रेचिंग करें।

अगर स्वीमिंग आती है तो स्वीमिंग करें या योग करें।

हेल्दी खाएं. संतुलित आहार आपके शरीर और मानसिक सेहत दोनों को ठीक रखेगा।

रात में जल्दी सो जाएं क्योंकि इससे आपके गर्भ में पल रहे बच्चों को विकास के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

दूसरों की सुनें पर दिल से न लगाएं। गर्भावस्था के दौरान लोग खूब कहानियां सुनाते हैं, उन्हें सुनें जरूर, पर ज्यादा ध्यान न दें। कुछ लोगों को गर्भावस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ऐसा आपके साथ भी हो, कोई जरूरी तो नहीं।

अगर आपको लगता है कि आप तनाव में हैं और आपका तनाव कम नहीं हो पा रहा है तो अपने डॉक्टर से बात करें।



विविध



कम बजट में शानदार हनीमून!

भारत के ये 6 डेस्टिनेशन जहां ट्रिप बनेगी बेहद यादगार

भारत में हनीमून की योजना बना रहे कपल्स के लिए यह लेख 6

आकर्षक डेस्टिनेशन सुझाता है, जहां वे अपनी शादी के बाद बेहतरीन

पल बिता सकते हैं। गोवा के सुनहरे समुद्र तटों से लेकर शिमला और

मनाली की बर्फीली वादियों तक, ये गंतव्य शांति, प्राकृतिक सुंदरता

और एडवेंचर का अनोखा संगम प्रदान करते हैं, जो कम बजट में भी

शानदार ट्रिप सुनिश्चित करते हैं।

भारत में शादियों का सीजन शुरू हो चुका है। शादी के बाद कपल्स का हनीमून पर जरूर जाते हैं। अगर आप भारत में हनीमून के लिए डेस्टिनेशन खोज रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे भी भारत में घूमने-फिरने की जगहों की भरमार है। यहां आपको एक से बढ़कर एक एडवेंचर, रोमांटिक जगहें, जहां आप पार्टनर संग घूमने जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको भारत में ही हनीमून प्लान करने के लिए कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन्स के बारे बताने जा रहे हैं। इन जगहों पर आपको सुकून, शांति मिलेगी और कम बजट में ट्रिप भी शानदार बन जाएगी।

गोवा

भारत की सबसे फेवरेट हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है गोवा। यहां की बीच लाइफ एक्सपीरियंस सबसे शानदार होता है। गोवा के बीच के किनारे आप पत्नी संग रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा, गोवा की नाइट लाइफ पार्टी को एन्जॉय करने का एक अलग ही मजा होता है। यहां पर घूमने के लिए कैलेंगुट बीच, अंजुना बीच, बागा बीच, बागाटोर बीच, सिंकेरियन बीच, पालोलेम बीच। गोवा में घूमने के लिए ज्यादा पैसा खर्च नहीं होता है। पहले ही होटल बुकिंग कर लें, वरना बाद में महंगी हो जाती है।



हनीमून हर नवविवाहित जोड़े के जीवन का सबसे खूबसूरत समय होता है, जिसे खास जगह पर बिताना हर किसी का सपना होता है। दुनिया में कई ऐसी रोमांटिक डेस्टिनेशंस हैं जो हनीमून के लिए परफेक्ट मानी जाती हैं। मालदीव अपने शांत समुद्र, वॉटर विला और प्राइवेट बीच के लिए मशहूर है। दुनिया में ऐसी के बीच वाले देश हैं जो वीजा-फ्री हैं, जहां आप अपने पल को सुकून से बिता सकते हैं। मॉरीशस सुंदर बीच और नेचर के कारण रोमांटिक माहौल प्रदान करता है। मॉरीशस और सेशेल्स भी अपने लगजरी रिसॉर्ट्स और नीले समुद्र के लिए लोकप्रिय हैं। हनीमून को खास बनाने के लिए आप इन जगहों पर घूमने जरूर जाएं। ये सभी जगहें कपल्स को सुकून, रोमांस और यादगार पलों से भरा अनुभव देंगी।

मालदीव नवविवाहित कपल्स के लिए मालदीव सबसे बेस्ट जगहों में से एक है। हनीमून के लिए यह बेस्ट डेस्टिनेशन है, जो कि वीजा-फ्री है। यहां के ओवरवॉटर विला, विलर ब्लू पानी और रंग-बिरंगी मछलियां किसी स्वर्ग से कम नहीं है। मालदीव में प्राइवेट रिसॉर्ट्स दीपों के लिए जाना जाता है। शाम के समय समुद्र किनारे कैंडललाइट डिनर, कपल स्पा और सनसेट क्रूज आपकी यादों को हमेशा यादगार बना देंगा।

मॉरीशस

मॉरीशस सुंदर बीच, हरे-भरे जंगलों और विविध संस्कृति के लिए जाना जाता है। कपल्स यहां पर ले मॉर्न ब्रांबाट, चमरेल की सैवन कलर्ड अर्थ और पाम्पलमूस बोटैनिकस गार्डन देख सकते हैं। यदि

शिमला

यदि आपका पहाड़ पर घूमने का प्लान हैं, तो आप शिमला घूमने जरूर जाएं। शिमला में देवदार, चीड़ और माजू के जंगलों में आप घूम सकते हैं। बर्फीले घाटियां और सुंदर नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। हनीमून के लिए शिमला घूमना एक परफेक्ट डेस्टिनेशन में से एक है।

मनाली

हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत शहर है मनाली। यह जगह हनीमून डेस्टिनेशन के लिए सबसे बढ़िया है। यहां आप सुंदर सौ बर्फीली वादियां देख सकते हैं। मनाली में हनीमून मनाना सबसे यादगार हो सकता है। मनाली में दिसंबर-जनवरी के महीने में स्नोफॉल का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां आप ट्रेकिंग, स्नो स्कीइंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

दार्जिलिंग

क्वीन ऑफ हिल्स दार्जिलिंग को कहा जाता है। हनीमून के लिए यह जगह बेहद ही रोमांटिक है। यहां पर चाय के बागन, बर्फ से ढके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कल-कल करते

झरने देखकर आप इस जगह में खो जाएंगे। कम बजट के अंदर है यह एक शानदार हनीमून की जगह हो सकती है।

श्रीनगर

हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है श्रीनगर। कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर सुंदर नजारे और घाटियों के लिए जाना जाता है। यहां पर मुख्य आकर्षण केंद्र है डल झील। यहां पर आप मुगल गार्डन, झीलों, सुंदर घाटियों में घूम सकते हैं। यह जगह हनीमून के लिए परफेक्ट है।

माउंट आबू

राजस्थान का स्वर्ग कहा जाने वाल माउंट आबू, हनीमून के लिए एकदम परफेक्ट जगह है। यदि आप भारत में हनीमून के लिए नई जगह पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू का प्लान जरूर बनाएं। यहां पर आप वाइल्ड लाइफ का मजा ले सकते हैं। यहां पर आप तरह-तरह के पक्षियां, जानवर देखने को मिलेंगे। पहाड़ों पर घूमने या ट्रेकिंग का प्लान कर सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए परफेक्ट वीकेंड स्पॉट ! भरतपुर नेशनल पार्क दिलाएगा सुकून

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं और वीकेंड ट्रिप पर जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। भागदौड़ भरी जिंदगी से परेशान होकर लोग कुछ समय के लिए सुकून की तलाश करते हैं। रोजाना 9 टू 5 जॉब करके हम सभी का माइंड और बॉडी दोनों ही थक जाती है। अगर आप वीकेंड पर फैमिली और दोस्तों के साथ समय सुकून बिताना चाहते हैं, तो आप भरतपुर बर्ड सेंचुरी एक्सप्लोर करने जरूर जाएं। यहां पर आपको जंगलों के बीच पक्षियों का सुंदर नजारा और एकांत व सुकून का माहौल देखने को मिलेगा।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी जाने का समय

आपको बता दें कि, भरतपुर बर्ड सेंचुरी का असली नाम केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है। जो कि भरतपुर जिला राजस्थान में बना हुआ है। वीकेंड के दौरान दिल्ली के आसपास जगहों के लिए ये नेशनल पार्क टॉप पर रहता है। अक्टूबर से लेकर मार्च तक महीने तक यहां समय बीतना बेहद ही खास होता है। इस समय यहां पर लोकल बर्ड के अलावा माइग्रेटेड पक्षी भी आते हैं। यह समय जाने के लिए सबसे बेस्ट है।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी में देखने के लिए

क्या-क्या है?



यहां पर आपको प्रवासी पक्षियों में से साइबेरियन सारस, बार हेडेड गीज, पेलिकन और पेंटेड स्टार्क आते हैं। इसके अलावा, लोकल पक्षियों की ढेर सारी वैराइटी भी देखने को मिलती है। पक्षियों के अतिरिक्त, यहां पर अजगर, मॉनितर छिपकलियां, कुछ वाइल्ड कैट, गोल्डन सियार, जंगली सुअर, सांभर, हिरण, चितल हिरण भी देखने को मिल जाएंगे। यहां आप कई सारे कछुओं की वैराइटी देख सकते हैं।

भरतपुर में इन जगहों पर घूमें

भरतपुर नेशनल पार्क के अलावा आप यहां पर लोहागढ़ फोर्ट भी टूरिस्ट प्लेस पर घूमने जा सकते हैं। बांके बिहारी मंदिर, भरतपुर पैलेस और म्यूजियम की सैर कर सकते हैं। भरतपुर में लोकप्रिय गंगा मंदिर अपने अनोखे इतिहास के लिए जाना जाता है। यह लगभग 90 साल पुराना है। यहां पर लक्ष्मण मंदिर और गर्वनमेंट म्यूजियम भी देखने के लिए टूरिस्ट जाते हैं।

कैसे पहुंचे भरतपुर

बता दें कि, भरतपुर रेलवे स्टेशन सभी प्रमुख स्टेशनों से पूरी तरह से कनेक्टेड है। दिल्ली से आप भरतपुर ट्रेन पकड़ सकते हैं। दिल्ली से आप बस या फिर प्राइवेट कैब से भी जा सकते हैं। ढाई घंटे में आप यहां आराम से पहुंच जाएंगे।

फाइनल में पाकिस्तान नहीं बल्कि इस टीम को हराकर टी20 वर्ल्ड कप जीतना चाहेंगे सूर्यकुमार यादव



नई दिल्ली, एजेंसी। एक दौर था, जब भारतीय क्रिकेटर और फैंस फाइनल में पाकिस्तान को मात देकर आईसीसी टूर्नामेंट जीतते देखा पसंद करते थे, लेकिन आज के दौर में हालात बदल गए हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के अनुसार, वह ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतना पसंद करेंगे। मैसें टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। भारत और श्रीलंका में कुल 8 वेंच्यु पर इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा, जिसका फाइनल 8 मार्च को खेला जाना है।

भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-ए में रखा गया है। दोनों टीमों में 15 फरवरी को 'हार्दवोल्टेज मैच' खेलेंगे। सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी की ओर से आयोजित आगामी टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, 'अगर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल है, तो मैं चाहूंगा कि भारत ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब जीते।' भारत और ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट मैदान पर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच सूर्यकुमार यादव चाहते हैं कि भारत टी20 विश्व कप के

फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़े। इसकी दूसरी वजह यह भी है कि टीम इंडिया कंगारूओं से क्वडे विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदला लेना चाहती है।

19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने 240 रन बनाए थे। इसके जवाब में ट्रेविस हेड (137) और मार्नस लाबुशेन (नाबाद 58) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने महज 43 ओवरों में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया था। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमों को 5-5 के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत को भारत को ग्रुप-ए में रखा गया है। इस ग्रुप में टीम इंडिया के साथ पाकिस्तान, यूएसए, नीदरलैंड्स और नामीबिया की टीमों शामिल हैं। वहीं, ग्रुप-बी में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान को रखा गया है। ग्रुप-सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली को शामिल किया गया है, जबकि ग्रुप-डी में न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई की टीमों शामिल हैं।

भारत की गुवाहाटी में 408 रनों से शर्मनाक हार

साइमन हार्मर का 'छक्का', साउथ अफ्रीका ने 25 साल बाद किया व्हाइटवॉश

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में हुआ दूसरा टेस्ट भी साउथ अफ्रीका की टीम ने जीत लिया। भारत के सामने 549 रनों का टारगेट था। लेकिन भारतीय टीम मैच के पांचवें दिन महज 140 रनों पर स्मिथ गई। टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली साउथ अफ्रीकी टीम ने भारत को 408 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। जो भारत की टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार रही।

मेहमान टीम ने पहली पारी में 489 रन बनाए और दूसरी पारी में 260/5 पर पारी घोषित कर दी। इसके बाद भारत के सामने 549 रन का विशाल लक्ष्य था। भारतीय टीम दबाव में टूट गई और पहली पारी में सिर्फ 201 तथा दूसरी पारी में 140 रन ही बना सकी। अफ्रीका के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में भारतीय बल्लेबाजों को जमने नहीं दिया। दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर ने 6 विकेट झटकें और मैच में 9 विकेट झटकें। साल 2000 में हैसी क्रोनिंग के नेतृत्व में साउथ अफ्रीका ने भारत को 2-0 से

हराकर घरेलू टेस्ट सीरीज में व्हाइटवॉश किया था। वहीं अफ्रीकी टीम ने तब आखिरी बार भारत में सीरीज भी जीती थी। तब पहला मैच मुंबई में हुआ जिसे अफ्रीकी टीम ने 4 विकेट से जीता। वहीं दूसरा टेस्ट मैच बेंगलुरु में हुआ, जिसे तब प्रोटेरियाज टीम ने एक पारी और 71 रन से जीता था। ऐसे में टेम्बा बावुमा ने कोलकाता और अब गुवाहाटी टेस्ट जीतकर हैसी क्रोनिंग के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली और सीरीज में भारत का सुपड़ा साफ किया। ध्यान रहे साउथ अफ्रीका की टीम ने कोलकाता टेस्ट 30 रनों से जीता था।

भारत की दूसरी पारी की हाइलाइट्स

भारत की दूसरी पारी में भी शुरुआत खराब रही। यशस्वी जायसवाल (13) सस्ते में लौटे, मार्को जानसेन की गेंद पर विकेटकीपर काइल वेरेने ने कैच लपका। कुछ देर बाद केएल राहुल (6) भी साइमन हार्मर की गेंद पर बोलब हो गए। पांचवें दिन भारत ने 27/2 के स्कोरकार्ड से बल्लेबाजी करनी शुरू की। लेकिन स्कोरकार्ड में 13 रन और जुड़े और कुलदीप यादव 5 रन पर

साइमन हार्मर की गेंद पर बोलब हो गए। इसी ओवर (24वें) में ध्रुव जुरेल भी आउट हुए। इसके बाद भारतीय कप्तान पीत ने थोड़े तेवर दिखाए और एक चौका और छक्का जड़कर टीम का स्कोर 58 तक ले गए, लेकिन वो भी हार्मर की गेंद पर मिले एक्स्ट्रा बाउंस पर एंड्रेन मार्कस को 13 रन पर कैच थमा बैठे। टी ब्रेक के बाद साई सुदर्शन का धैर्य भी जवाब दे गया और वो 139 गेंदों पर 14 रन बनाकर सेनुरन मुथुसामी का शिकार बने। वॉशिंगटन सुंदर (16 रन, 44 गेंदों में) भी ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और हार्मर ने उन्हें पवेलियन भेजा। नतीतीश रेड्डी ने एक बार फिर निराश किया और वो 0 पर आउट हुए। रवींद्र जडेजा ने रेड्डी के आउट होने के बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन वो स्टम्प आउट हो गए; आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज मोहम्मद सिराज रहे।



स्मृति मंधाना को धोखा दे रहे थे पलाश मुख्तल ?

● मिस्ट्री गर्ल की पोस्ट से बड़ा दिवस्ट आया सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना और म्यूजिक कपोज पलाश मुख्तल का रिश्ता हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया है। जहां यह कपल कुछ समय पहले तक अपनी प्री-वेडिंग तस्वीरों के चलते सुर्खियों में था, वहीं अब वायरल हुए कथित स्क्रीनशॉट और लगातार बढ़ती अफवाहों ने कहानी को पूरी तरह पलट दिया है। इंटरनेट पर फैली जानकारी की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन इन चर्चाओं ने फैस के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थिति क्या है-यह जानने के लिए सबकी निगाहें काल पर टिकी हैं।

विवाद की वजह बनी वायरल हुई कथित चैट: पलाश मुख्तल और कोरियोग्राफर मैरी डी'कोस्टा की कथित निजी चैट ऑनलाइन फ्लैटने हो मामला अचानक सुर्खियों में आ गया। पोस्ट की गई मैसेजिंग बातचीत में दावा किया जा रहा था कि पलाश किसी मुलाकात पर जोर दे रहे थे और अपने लॉन्ग-डिस्टेंस रिश्ते को लेकर असंतोष जता रहे थे। हालांकि, इन चैट्स की किसी भी विश्वसनीय स्रोत द्वारा पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर इन पोस्ट्स ने बड़ी तेजी से बवाल खड़ा कर दिया, जिससे फैस के बीच कई तरह के कयास लगने लगे।

मैरी डी'कोस्टा ने दी सफाई, पर तनाव कम नहीं हुआ: विवाद बढ़ने के बाद मैरी ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी के जरिए स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि वे पलाश से कभी नहीं मिलीं, विवाद से उनका कोई लेना-देना नहीं, और कथित चैट की सत्यता पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। उनके बयान के बावजूद सोशल मीडिया पर बहस थमी नहीं। ऐसा लग रहा था कि अफवाहें इतनी फैल चुकी हैं कि बयान देने से भी शोर कम नहीं हुआ।

रोइंग: पानी पर ताकत और तालमेल का खेल, जिसने ओलंपिक में बनाई खास पहचान



नई दिल्ली, एजेंसी। करीब 8 हजार ईसा पूर्व लोग लकड़ी के लट्ठों को आपस में बांधकर उसे इस तरह तैयार करते थे कि उसमें खड़े होकर नदी को पार कर सकें। इससे न सिर्फ उन लोगों को नदी पार करने में मदद मिलती थी, बल्कि वे इसकी सहायता से मछलियों को भी पकड़ते थे। धीरे-धीरे लकड़ी के लट्ठों को काट-छटकर उसे नाव का आकार दिया गया। उस दौरान किसी ने सोचा नहीं था कि एक दिन यही नाव ओलंपिक में पानी पर ताकत और तालमेल का खेल बनेगी। साल 1829 में ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी बोट रेस का आयोजन हुआ। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को आठ पतवारों वाली नाव के साथ एक मैच में हिस्सा लेने की चुनौती दी थी। इस पहली रेस में ऑक्सफोर्ड ने जीत हासिल की थी।

19वीं शताब्दी तक यूरोप में रोइंग ने लोकप्रियता हासिल कर ली। 1900 पेरिस ओलंपिक में इस खेल को पहली बार शामिल किया गया, और तब से लेकर आज तक प्रत्येक ओलंपिक में इस खेल ने अपनी छाप छोड़ी है। 1976 मॉन्ट्रियल ओलंपिक में पहली बार महिलाओं की स्पर्धा को शामिल किया गया और फिर 1996 अटलांटा ओलंपिक में लाइटवेट स्पर्धाओं की शुरुआत हुई। रोइंग रेस के दो प्रकार होते हैं- स्कलिंग और स्वीप ओआर। स्कलिंग में दो पतवारों का प्रयोग होता है, जबकि स्वीप में नाविक एक पतवार का उपयोग करता है। नाव चलाने वाले एथलीट व्यक्तिगत रूप से या फिर 2, 4 और 8 की टीमों में प्रतिस्पर्धा करते हैं। डबल स्कल्स एथलीट दोनों हाथों में एक-एक पतवार पकड़ते हैं, जबकि स्वीप रोइंग एथलीट दोनों हाथों से एक पतवार को पकड़ते हैं। 8 व्यक्तियों की टीम में एक मुख्य चालक होता है, जो अन्य सदस्यों को निर्देश देता है। उसे 'कॉक्सवेन' कहा जाता है।

उनके अलावा, अन्य सदस्य एक फुट पेडल के साथ पतवार को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक 10 से 12.4 मीटर की दूरी पर पानी की गहराई के साथ एक खास चीज को बांधकर रास्ते को चिह्नित किया जाता है। अगर किसी टीम या एथलीट से गलत शुरुआत हो जाए, तो उसे चेतावनी दी जाती है। अगर वह एथलीट या टीम गलती दोहराती है, तो उसे अयोग्य करार दिया जाता है। नाव का अगला भाग फिनिश लाइन कब पार करता है, यह जीत को तय करता है। भारतीय रोइंग ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह प्रगति की है, उसे देखते हुए ओलंपिक में भारत का भविष्य पहले से अधिक उज्ज्वल माना जा सकता है। भारतीय रोइंग में प्रतिभा का दायरा बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय रोइंस तेजी से उभरकर सामने आए हैं।

फीफा विश्व कप 2026: ड्रॉ में स्पेन-अर्जेंटीना और फ्रांस-इंग्लैंड को फायदा!

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा के मुताबिक, इस नए सिस्टम का उद्देश्य है लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को रैंकिंग के आधार पर फायदा देना। साथ ही बड़े मुकाबलों को अंतिम चरण तक सुरक्षित रखना। फीफा ने अगले साल होने वाले 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप के ड्रों को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है। फीफा विश्व कप 2026 के लिए ड्रॉ अगले सप्ताह जारी होना है। इस ड्रॉ में पहली बार टेनिस्-स्टाइल नॉकआउट बैकेट सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसके तहत दुनिया की शीर्ष चार टीमों स्पेन, अर्जेंटीना, फ्रांस और इंग्लैंड को

अलग-अलग हिस्सों में रखा जाएगा। इसका मतलब है कि अगर ये चारों टीमों अपने ग्रुप



नहीं खेलेंगी। फीफा के मुताबिक, इस नए सिस्टम का उद्देश्य है लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को रैंकिंग के आधार पर फायदा देना। साथ ही बड़े मुकाबलों को अंतिम चरण तक सुरक्षित रखना। इसे टूर्नामेंट को प्रतिस्पर्धात्मक और संतुलित बनाने में मदद मिलेगी। फीफा ने बयान में कहा, 'दो अलग-अलग रास्ते तैयार किए गए हैं ताकि शीर्ष टीमों के बीच संतुलन बना रहे और योग्य प्रदर्शन को सम्मान मिले।'

ग्रुप स्ट्रेज से लेकर नॉकआउट तक नई संरचना: इस बार वर्ल्ड कप 48 टीमों में पहला स्थान हासिल करती हैं, तो वे सेमीफाइनल से पहले एक-दूसरे के खिलाफ

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: अर्जुन तेंदुलकर ने पहले 127 के स्ट्राइक रेट से ओपनिंग की, फिर 14 गेंद में लुटा दिए 29 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 का आगाज बुधवार 26 नवंबर से हो चुका है। पहले राउंड के ग्रुप बी के मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने गोवा को 6 विकेट से हराया। ग्रुपी की जीत में होंगे 93 रन की नाबाद पारी खेलने वाले आर्यन जुयाला। वहीं अर्जुन तेंदुलकर ने इस टी20 टूर्नामेंट के पहले मैच में गोवा के लिए पारी की शुरुआत की और 22 गेंद पर 127 के स्ट्राइक रेट से 28 रन बनाए। इस मैच में पहले खेलने उतरी गोवा के लिए इशान गांडेकर और बाएं हाथ के बल्लेबाज अर्जुन तेंदुलकर ने बल्लेबाजी की शुरुआत की। इशान 10 गेंद पर 16 रन बनाकर आउट हुए। वहीं अर्जुन ने 22 गेंद पर 28 रन बनाए जिसमें चार चौके शामिल थे। शिवम मावी ने अर्जुन तेंदुलकर को पवेलियन भेजा। इसके बाद गोवा ने अभिनव तेजराणा के 72 रनों की मदद से 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन बनाए। 173 रनों का बचाव करने उतरी गोवा के गेंदबाजों को ग्रुपी के ओपनर आर्यन जुयाल ने सेंटर नहीं होने दिया। अर्जुन तेंदुलकर ने भी गेंदबाजी में निराश किया। उन्होंने 2.2 ओवर यानी 14 गेंद में 29 रन लुटाए और उनकी इकॉनमी 12 से भी ज्यादा की रही।

रोनाल्डो पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध हटा

विश्व कप में खेलते दिखेंगे, टुंप् से मीटिंग के बाद फीफा का यू-टर्न?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोवेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा। क्रिस्टियानो रोनाल्डो को फीफा की ओर से बड़ी राहत मिली है। आयरलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में एल्बो मारने के चलते मिले रेड कार्ड के बाद माना जा रहा था कि वे आगामी वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं। हालांकि, फीफा ने उन्हें तीन मैच के प्रतिबंध की सजा सुनाई है, लेकिन उसमें से दो मैचों पर एक साल की प्रोवेशन लागू की गई है। यानी रोनाल्डो ने पहले ही एक मैच का अनिवार्य बैन काट लिया है, और अब वे वर्ल्ड कप में खेलने के लिए पात्र हैं, लेकिन चेतावनी के साथ।

क्या था मामला?

डबलिन में खेले गए मुकाबले में रोनाल्डो ने आयरलैंड के डिफेंडर डारा ओ'शेया को कोहनरी मारी थी। फीफा ने इसे हिंसक आचरण माना और सजा निर्धारित की। हालांकि, फीफा ने यह स्पष्ट किया कि अगर प्रोवेशन अवधि के दौरान रोनाल्डो ने समान या गंभीर स्तर का उल्लंघन किया, तो बाकी दो मैचों का बैन वापस लागू हो जाएगा।

●●●●

●●●●

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में 49 जोड़ों ने लिए सात फेरे, एक मुस्लिम जोड़े का निकाह भी संपन्न

वाराणसी। आराजी लाइन ब्लॉक मुख्यालय पर गुरुवार को अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुल 49 हिंदू जोड़ों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए, जबकि मुस्लिम समुदाय के एक जोड़े का मौलवी द्वारा निकाह कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीणों ने सभी नवविवाहितों को शुभाशीष दिया। कार्यक्रम में 49 जोड़ों ने ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चारण के बीच एक-दूसरे को जयमाल पहनाया, सिंदूरदान

किया और अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लेकर जीवनसाथी बनने का संकल्प लिया। मुस्लिम जोड़े ने मौलवी की मौजूदगी में निकाह की रस्में पूरी कीं और गवाहों के बीच विवाह पंजीकरण सम्पन्न हुआ। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. महेंद्र सिंह पटेल तथा खंड विकास अधिकारी (BDO) सुरेंद्र सिंह यादव मौजूद रहे। अतिथियों ने सभी नवविवाहित जोड़ों पर फूलों की पंखुड़ियाँ बरसाते हुए आशीर्वाद दिया और



प्रमाण पत्र एवं उपहार सौंपे। सरकार की ओर से मिले उपहार और अनुदान BDO सुरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत— रुपये 15,000 की राशि खानपान, टेंट व आयोजन व्यवस्था



पर व्यय की गई। प्रत्येक जोड़े को रुपये 25,000 मूल्य के उपहार प्रदान किए गए, जिनमें शामिल थे— कपड़ा, पायल, बिछिया, डिनर सेट, प्रेशर कुकर, कढ़ाई, टूली बैग, दीवार घड़ी, सीलिंग फैन, आयरन प्रेस, चादर, कंबल, गद्दा, विभिन्न गृहस्थी के

सामान और मिष्ठान इसके अलावा, 10 दिन बाद सरकार द्वारा नववधू के बैंक खाते में रुपये 60,000 की नगद अनुदान राशि भेजी जाएगी, जिससे नए जीवन की शुरूआत बेहतर हो सके। **बारातियों के लिए भोजन व्यवस्था** समारोह में आए सभी बारातियों और वधू पक्ष के परिजनों के लिए भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई। सामूहिक विवाह का यह कार्यक्रम सामाजिक सद्भाव, सरल विवाह और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग का सुंदर उदाहरण बना। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला समाज कल्याण अधिकारी गिरीश चंद्र दुबे, जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी रितेश बिंदल, शिवशंकर सिंह, संजय यादव, मुकेश पटेल, धर्मेन्द्र यादव, शिवपूजन सिंह, गुड्डू सिंह, कमलेश पटेल, अजीत वर्मा, चंद्रभान सिंह, अरविंद पटेल, राजेश कुमार सिंह फूल्ली, चंद्रमा, राजू वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह का सफल संचालन प्रशासन और समाज कल्याण विभाग की संयुक्त पहल का परिणाम रहा, जिससे 50 जोड़े नए जीवन की खुशियों में कदम रख सके।

वाराणसी विकास प्राधिकरण में नोटिस सुनवाई एवं मानचित्र निस्तारण कैप का सफल आयोजन, 101 प्रकरणों पर हुई कार्रवाई

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) में गुरुवार को भवन स्वामियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित नोटिस सुनवाई एवं मानचित्र निस्तारण कैप की बड़ी सफलता मिली। यह कैप प्राधिकरण के सभागार में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता उरुअ के उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने की। कैप का मुख्य उद्देश्य मानचित्र स्वीकृति, नोटिसों, शमन तथा तकनीकी आपत्तियों से जुड़े प्रकरणों का पारदर्शी, सुगम और शीघ्र निस्तारण करना था, ताकि भवन निर्माण से संबंधित प्रक्रिया

को सरल और सुविधाजनक बनाया जा सके। उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने बैठक में निर्देश दिया कि सभी संबंधित अनुभाग ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों, मानचित्रों और नोटिसों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन प्रकरणों में मानचित्र तकनीकी कारणों या नियमों के उल्लंघन के कारण अस्वीकृत किए गए हैं, उन स्थानों पर प्रवर्तन टीम विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि निष्ठ मांग का पालन सख्ती से हो और अवैध निर्माण



पर रोक लग सके। कुल 101 प्रकरण सुनवाई हेतु प्रस्तुत हुए। नियोजन अनुभाग ने 15 प्रकरणों का तत्काल निस्तारण किया। 27 प्रकरणों को अस्वीकृत किया गया या स्क्रूटीने हेतु सम्मनित किया गया। मानचित्र एवं नोटिस से संबंधित सुनवाई में 73 भवन स्वामी उपस्थित रहे। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि प्राधिकरण नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और मामलों के निस्तारण में अभूतपूर्व तेजी लाई जा रही है। **वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी ने बढ़ाई कैप की**

प्रभावशीलता : कैप के दौरान नगर नियोजक प्रभात कुमार, सहायक नगर नियोजक सौरभ जोशी, सभी पाँच जोनों के जेनरल अधिकारी, अवर अभियंता, लिपिकगण तथा नियोजन, आवार्षि, सीलिंग और विधि अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। इनकी सक्रिय भागीदारी से कैप को सुचारू रूप से संचालित किया गया और भवन स्वामियों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित किया गया। **हर गुरुवार लगोगा ऐसा ही कैप—वीडीए का बड़ा निर्णय** वीडोए ने घोषणा की है कि अब हर बृहस्पतिवार को प्राधिकरण सभागार में नियमित रूप से नोटिस सुनवाई एवं मानचित्र निस्तारण कैप आयोजित किया जाएगा। इस व्यवस्था से— भवन स्वामियों को एक ही स्थान पर सभी समाधान मिलेंगे, पारदर्शिता बढ़ेगी, निर्माण संबंधी मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया तेज होगी, और शहर के सुव्यवस्थित शहरी विकास को गति मिलेगी। वाराणसी विकास प्राधिकरण की यह पहल शहर में शहरी नियोजन को बेहतर बनाने, नागरिकों की सुविधा बढ़ाने और अनियमित निर्माण पर नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है।

पूर्व सारनाथ थाना प्रभारी समेत पुलिसकर्मियों के खिलाफ दाखिल अर्जी खारिज

वाराणसी। कर्मचारों को अगवा कर जान से मारने का प्रयास करने और गाड़ी में रखे 25 हजार रुपये लूटने के मामले में पूर्व सारनाथ थाना प्रभारी और उनके पुलिसकर्मियों को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनोहर कुमार की अदालत ने इस मामले में प्रार्थी की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। अदालत में पुलिसकर्मियों की ओर से वरिष्ठ अधिका अमजु यादव, नरेश यादव, संजय यादव व रोहित यादव ने पक्ष रक्षा प्रकरण के अनुसार अर्दली बाजार निवासी प्रार्थी शहबाज खान ने अदालत में बीएनएनएस की धारा 173(4) के तहत प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप था कि तत्कालीन थाना प्रभारी सारनाथ विवेक त्रिपाठी, एसआई प्रदीप कुमार, विपक्षी एस उदय शंकर राव व चार अज्ञात दरोगा, सिपाही 10 मई 2025 को अपराह्न 03:30 बजे विपक्षी एस उदय शंकर राव के प्रभाव व असुर में आकर उसके माताजी के नाम से कार जो 1201, बुद्ध हार्डट्स अपार्टमेंट, मर्वाडी, सारनाथ के बगल रास्ते से प्रार्थी के घर काम करने वाला शाहिल जो प्रार्थी की बीमारी में के लिए दवा लेने जा रहा था का अपहरण कर लिए और शाहिल के आँख पर काला पट्टी बाँधकर अज्ञात स्थान पर ले जाकर जान से मारने की निमत से बुरी तरह लात, मुक्का व डण्डा से मारने-पीटने लगे व शाहिल के गले में रस्सी लपेटकर जान से मारने का प्रयास किये। इसके साथ ही गाड़ी के अन्दर जरूरी कागजात तथा पचीस हजार रूपया रखा था, उसे ले लिए एवं गाली-गुला देते हुए इस बात की धमकी दिए कि शाहबाज खान कहा है, बता दो नहीं तो जान से मारकर फेंक देंगे। बाद में विपक्षीण शाहिल को बुरी तरह मारपीट कर उसका मोबाईल फोन छीन लिये और उसको थाने में ले जाकर थाने में बैठा लिए व गाड़ी चार पहिया वाहन सीज कर खालान कर दिया। बाद में बड़े अथक प्रयास के बाद रात्रि 11:30 बजे शाहिल का फॉर्म मेंडकल रिपोर्ट बनवाकर थाने द्वारा छोड़ा गया।

योगी सरकार की वृद्धावस्था पेंशन योजना बुजुर्गों के लिए बनी वरदान



वाराणसी। योगी सरकार की वृद्धावस्था पेंशन योजना वृद्धों के भोजन से लेकर दवा तक सभी जरूरतों में साथ निभा रही है, जिससे वरिष्ठ नागरिकों का जीवन सरल और सम्मानजनक हुआ है। वाराणसी में 1 लाख 42 हजार से अधिक बुजुर्ग इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी गिरीश चंद्र दुबे ने बताया वित्तीय वर्ष 2025 -26 में 15,297 नए बुजुर्ग लाभार्थियों को शामिल किया गया, जबकि पहले से 1,28,119 लाभार्थी पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। सत्यापन के बाद मृत और अपात्र पाए गए 1,298 नामों को सूची से हटाया गया। वर्तमान में कुल 1,42,118 नागरिक वृद्धावस्था पेंशन योजना से जुड़कर इसका लाभ ले रहे हैं। गरीबी रेखा से नीचे जीवन बिताने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को राज्य सरकार प्रतिमाह रुपये 1000 पेंशन प्रदान करती है। यह राशि है हर तिमाही सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाती है। समाज कल्याण विभाग समय-समय पर लाभार्थियों की सूची का सत्यापन कर अपात्र व्यक्तियों को बाहर कर नए पात्र वृद्धजनों को जोड़ता रहता है। वृद्धावस्था पेंशन के लिए अब अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है फेमिली आईडी, एक परिवार एक पहचान, प्रणाली से पात्र वरिष्ठ नागरिकों को स्वयं चिन्हित किया जाएगा। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया शामिल व्यक्तियों की जानकारी उनके सहमति से एसएमएस ,व्हाट्सएप और फोन कॉल के माध्यम से ली जाएगी। जिनकी सहमति डिजिटल रूप से न मिल सके, उनसे ग्राम पंचायत सहायक या विभागीय कर्मचारी व्यक्तिगत रूप से संपर्क करेंगे। जिनकी आयु अगले 90 दिनों में 60 वर्ष होने जा रही है। सहमति प्राप्त होने के बाद योजना अधिकारी 15 दिन में डिजिटल सिग्नेचर से पेंशन स्वीकृत करेंगे और लाभार्थी को स्वीकृति पत्र भेजा जाएगा। भुगतान सीधे बैंक खाते में होगा और प्रत्येक किस्म की सूचना एसएमएस से दी जाएगी। साथ ही सरकार एक मोबाइल एप भी उपलब्ध कराएगी जिसमें भुगतान विवरण पासबुक की तरह देखा जा सकेगा।

राजातालाब में भाजपाइयों ने थाने के बाहर किया प्रदर्शन

चौकी प्रभारी पर रिश्वत मांगने और मारपीट का आरोप, कार्रवाई की मांग

वाराणसी। भाजपा कार्यकर्ता से रिश्वत मांगने और मारपीट करने के विरोध में राजातालाब थाने पर भाजपाई प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके साथ मंडल अध्यक्ष, एमएलसी धर्मेन्द्र और विधायक की बेटी अर्पिता सिंह भी मौजूद हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या लोगों को समझाने का प्रयास कर रही हैं लेकिन वे धरना खत्म करने को तैयार नहीं हैं। मिल्कीपुर गांव निवासी भाजपा कार्यकर्ता करन

कुमार पटेल ने बताया कि उनके पाटीदार उनकी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रहे थे। उन्होंने इसकी सूचना जकिखनी चौकी प्रभारी को दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब उन्होंने दोबारा चौकी प्रभारी सत्यम और दरोगा अनिल को सूचना दी, तो उनसे कथित तौर पर 1 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई। आरोप है कि जब करन ने पैसे नहीं दिए, तो पुलिस ने विपक्षी को कब्जा

दिला दिया। करन ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें जबरन चौकी ले जाकर बंद कर दिया और उनके साथ मारपीट भी की। इस घटना से आक्रोशित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और कई मंडल अध्यक्ष राजातालाब थाने पर इकट्ठा होकर धरना दे रहे हैं। उनकी मुख्य मांग है कि आरोपी दरोगा सत्यम तिवारी को तत्काल निर्लंबित किया जाए और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए।

राजनीतिक दलों ने एसआईआर की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की कहा— 4 दिसंबर तक कार्य पूरा होना असंभव

वाराणसी। जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की धीमी प्रगति और असमंजसपूर्ण तैयारियों को देखते हुए वाराणसी के प्रमुख राजनीतिक दलों ने इसकी अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2025 को बढ़ाने की मांग की है। इस संबंध में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, सीपीएम, सीपीआई और राजद के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक 27 नवंबर 2025 को कांग्रेस कार्यालय, लहुराबीर में संपन्न हुई। बैठक में दलों ने एक सुर में कहा कि रकम की प्रक्रिया जिस

तेजी और आधी-अधूरी तैयारी के साथ चलाई जा रही है, उससे निश्चित है कि बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़ने से छूट जाएंगे। प्रतिनिधियों ने दावा किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान समय धान कटाई और गेहूँ की बुवाई का अत्यंत व्यस्त मौसम है। ऐसे में किसानों और ग्रामीण जनता के लिए घर-घर सत्यापन में शामिल होना मुश्किल है। बैठक में यह गंभीर मुद्दा उठाया गया कि: कई बीएलओ को उचित प्रशिक्षण नहीं मिला है। चुनाव कार्यालय की ओर से रकमप्रक्रिया



की पूर्ण जानकारी नहीं पहुंचाई गई है। गांवों में रकम को लेकर जन-जागरूकता बहुत कम है। प्रतिनिधियों ने इस बात पर चिंता जताई कि इन परिस्थितियों में 4 दिसंबर तक गुणवत्तापूर्ण सत्यापन संभव नहीं है। बैठक में बताया गया कि कई क्षेत्रों से शिकायत मिल रही है कि: बीएलओ के पास 2003 की मतदाता सूची उपलब्ध ही नहीं है, कई स्थानों पर दो गणना पत्रों की जगह सिर्फ एक ही फॉर्म दिया जा रहा है, कई ऐसे मतदाता जो

2024 में वोट डाल चुके हैं, उन्हें रकम के तहत गणना फॉर्म ही नहीं मिला। दल प्रतिनिधियों ने कहा कि फॉर्म न मिलने वालों के लिए विकल्पीय व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि कोई मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। छह महीने की बढ़ोतरी की मांग राजनीतिक दलों ने स्पष्ट कहा कि: हर परिस्थिति में 4 दिसंबर की अंतिम तिथि को कम से कम छह महीने बढ़ाया जाना चाहिए। विधानसभा चुनाव वर्ष 2027 में होने हैं, इसलिए इतनी जल्दबाजी का कोई औचित्य नहीं है। बैठक में निर्णय लिया गया कि

28 नवंबर 2025 को एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी वाराणसी से मुलाकात कर चुनाव आयोग के नाम ज्ञापन सौंपा और रकम की समयसीमा बढ़ाने तथा उठाई गई सभी समस्याओं के समाधान की मांग करेगा। डॉ. हीरालाल यादव, राघवेंद्र चौबे, आनंद मौर्य, नंदलाल पटेल, सुरेंद्र यादव, अजय मुखर्जी, फसाहत हुसैन, डॉ. राजेश गुप्ता, सतनाम सिंह, जयशंकर पांडे, मोबीन अहमद, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, अरुण सोनी, मयंक चौबे, किशन यादव, रवि सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उजाला संचार

NEWS

NEW VIDEOS EVERYDAY

उजाला संचार यूट्यूब चैनल

सब्सक्राइब करें, लाइक करें, कमेंट करें और ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि सब हर दिल तक पहुंचे

youtube.com/@ujalasanchar

सब्सक्राइब करें – ताकि कोई बड़ी खबर न छूटे!

लाइक करें – आपकी पसंद हमें और बेहतर बनाती है!

कमेंट करें – अपनी राय हमारे साथ शेयर करें!

शेयर करें – सब की खबर को और आगे पहुंचाएं!

SUBSCRIBE

AND ENABLE NOTIFICATIONS

उजाला संचार – मुद्रक, प्रकाशक, प्रधान संपादक महेंद्र कुमार सोनकर द्वारा मीडिया टेक्स्ट, प्रा.लि. गोबिंदपुर, जीटी रोड, रोहनिया (वाराणसी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू, शहर वाराणसी, (उ.प्र.)। संपर्क : 0542-4059021, 9696104265, 9696104269 समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के लिए सम्मत वाद वाराणसी न्यायाल के अधीन होंगे।